

B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-V

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words  
as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु 'क'विभागतः सप्तानां प्रश्नानां 'ख'विभागतः त्रयाणां प्रश्नानां चोत्तरम् सुरगिरा देवनागरी लिपिमाप्रित्य देयम्। 2×10=20
- নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে 'ক'বিভাগ থেকে সাতটি এবং 'খ'বিভাগ থেকে তিনটি প্রশ্নের সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও।

'ক'-বিভাগ:

'ক'-বিভাগ

- (a) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति पदस्य व्युत्पत्तिः विचार्या।  
'अभिज्ञानशकुन्तलम्' पदটির ব্যুৎপত্তি বিচার করো।
- (b) शाकुन्तले प्रसनावनायां नट्याः गीतं संस्कृतेन लिख्यताम्।  
অভিজ্ঞানশকুন্তলে প্রসাবনায় নটীর গানটি সংস্কৃতে লেখো।
- (c) सुत्रधारमनुसृत्य निदाघर्तुः वर्णयताम्।  
সূত্রধারের অনুসরণে গ্রীষ্মকালের বর্ণনা দাও।
- (d) 'दूरीकृताः खलु गुणैरुद्यानलता वनलताभिः'— उक्तेरस्याः तातपर्यं विचार्यताम्।  
'दूरीकृताः खलु गुणैरुद्यानलता वनलताभिः'— এই উক্তির তাৎপর্য বিচার করো।
- (e) 'परमार्थेन न गृह्यतां वचः'— कस्योक्तिरियम्? कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तिरियमभिहिता?  
'परमार्थेन न गृह्यतां वचः'— উক্তিটি কার? কোন প্রসঙ্গে একথা বলা হয়েছে?
- (f) शाकुन्तले तृतीयाङ्के गौतमीप्रवेशात् प्राक् नेपथ्ये किं श्रूयते?  
অভিজ্ঞানশকুন্তলে তৃতীয়াঙ্কে গৌতমী আসার আগে নেপথ্যে কী শোনা যায়?
- (g) शकुन्तलां प्रति काश्यपस्य कण्वस्य आशीर्वाणीं लिखत।  
শকুন্তলার উদ্দেশ্যে কাশ্যপ কণ্ঠের আশীর্বাদ লেখো।
- (h) आचार्यकण्ववचनमनुसृत्य कदा शकुन्तला पुनः तदाप्रमे आगमिष्यति?  
আচার্য কণ্ঠের বচন অনুসারে শকুন্তলা আবার কবে কথাস্রমে আসবেন?

- (i) को नाम करभकः? स नृपाय कां वार्ता ज्ञापितवान्?  
करभक के? তিনি রাজাকে কী বার্তা শোনান?
- (j) 'श्रोतव्यमिदानीं संवृत्तम्' – केनोक्तमेतत्? एतादृशस्य वक्तव्यस्य कारणं किम्?  
'শ্রোতব্যমিদানীং সংবৃত্তম্' — একথা কে বলেছেন? এরূপ উক্তির কারণ কী?

'ख'-विभागः

'ख'-विभाग

- (a) महाकविभासविरचितं रामायणमाधारीकृत्य नाटकद्वयं किम्?  
মহাকবি ভাস রচিত রামায়ণাশ্রিত দুটি নাটকের নাম লেখো।
- (b) कालिदासनाट्ये उल्लिखितानां तत्पूर्ववर्तिनी नाट्यकृतां नाम लिख्यताम्। कस्मिन् नाटके एतद् उपलभ्यते?  
কালিদাসনাট্যে উল্লিখিত তাঁর পূর্ববর্তী নাট্যকারদের নাম লেখো। কোন নাটকে এর উল্লেখ আছে?
- (c) संस्कृतनाट्यसाहित्ये प्रकरणद्वयस्य नाम लिख्यताम्। तयोः प्रकरणयोः रचयितृनामापि देयम्।  
সংস্কৃত নাট্যসাহিত্যের দুটি প্রকরণের নাম দাও। সেই প্রকরণ দুটির রচয়িতার নাম লেখো।
- (d) भवभूतिः कानि रूपकाणि विरचितवान्? तेषां नामानि लिखत।  
ভবভূতি ক'টি নাটক লিখেছেন? সেগুলির নাম লেখো।
- (e) संस्कृतसाहित्ये राजनैतिकनाटकस्य नाम प्रदेयम्। को वा तस्य रचयिता?  
সংস্কৃত সাহিত্যে রাজনৈতিক নাটকের নাম লেখো। তার রচয়িতার নাম কী?

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन द्वितयं सुरगिरा समाधीयताम्।

5×4=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতে লেখো।

- (a) अधस्तात् कस्यचिदेकस्य संक्षिप्ता टिप्पणी विधेया।  
নীচের যে কোনো একটির সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।  
ऊरुभङ्गम्; मृच्छकटिकम्; वेणोसंहारम्।
- (b) अधोलिखितयोः श्लोकयोः अन्यतरः वङ्गभाषया अनुद्यताम्।  
নীচের যে কোনো একটি শ্লোকের বাংলায় অনুবাদ করো।  
(i) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।  
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेतुमुषिर्व्यवस्यति॥  
(ii) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना—  
—माविष्कृतोऽरूणपुरःसर एकतोऽर्कः।  
तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां  
लोको नियम्यत इवैष दशान्तरेषु॥
- (c) शकुन्तले प्रशमाङ्के हस्तिवृत्तान्तस्य नाटकीयं तात्पर्यं लिखत।  
অভিজ্ঞানশকুন্তলে প্রশমাঙ্কে হস্তিবৃত্তান্তের তাৎপর্য লেখো।

- (d) अधोलिखितयोः श्लोकयोः अन्यतरः सुरगिरा व्याख्यायताम्।  
नीचेर ये कोनो एकटि श्लोकेर संस्कृतभाषाय व्याख्या करो।
- (i) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं  
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।  
इयमधिकमनोज्ञा वल्कतेनापि तन्वी  
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥
- (ii) रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान्  
पर्युत्सुको भवति यत्सुखितोऽपि जन्तुः।  
तच्चेतसा स्मरति नूनमबोधपूर्वं  
भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि॥
- (e) अधोलिखितयोः श्लोकांशयोः अन्यतरस्य सुरगिरा भवसम्प्रसारणं कुरुत।  
नीचेर ये कोनो एकटि श्लोकांशेर संस्कृतभाषाय भावसम्प्रसारण करो।
- (i) न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्।  
(ii) लभेत वा प्रार्थयिता न वा श्रियं  
प्रिया दुरापः कथमीप्सितो भवेत्।
- (f) शाकुन्तले पञ्चमाङ्के हंसपदिकायाः सङ्गीतं संस्कृतेन लिख्यताम्। कि नाम तत्सङ्गीतस्य तात्पर्यम्? 1+4=5  
अभिज्ञानशकुन्तले पञ्चमाङ्के हंसपदिकार गान संस्कृते लेखो। ए गानेर तात्पर्य व्याख्या करो।
3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयोः उत्तरं लिखत। 10×2=20  
निम्नलिखित प्रश्नগুলির যে কোনো দুটির উত্তর দাও :
- (a) दुर्वाससः शापः लिख्यताम्। तस्य शापस्य नाटकীয়तातपर्यं व्याख्यायताम्। 2+8=10  
दुर्वासार शापটি लेखो। সেই शाপের নাটকীয় তাৎপর্য ব্যাখ্যা करो।
- (b) अभिज्ञानशाकुन्तले को नाम कुलपतिः? तस्य चरित्रं वर्णयत। 2+8=10  
अभिज्ञानशकुन्तले এই नाটके कাকে कुलपति বলে? महर्षि कषेर चरित्र वर्णना करो।
- (c) शाकुन्तलनाटकस्य कः मूलोत्सः? तत्कथावस्तुनि कालिदासेन कानि कानि परिवर्तनानि विहितानि? कथं च? 10  
अभिज्ञानशकुन्तलम नाटकेर उत्स की? तिनि की की परिवर्तन साधन करेछेन? एवं केनो करेछेन?
- (d) श्रीहर्षस्य कानि रूपकानि भवन्ति? तेषां नाटकীয়म् उत्कर्षम् प्रतिपादयतः। 10  
श्रीहर्ष कटि रूपक रचना करेछेन? ताँर नाटकীয় उत्कर्ष आलोचना करो।